वर्ष 2024 माह नवम्बर अंक 35

बालमन

Powered by Teachers of Bihar

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा , भभुआ (कैमूर)

Teachers of Bihar- +91 7250818080
Dhiraj Kumar- +91 9431680675
Info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)
शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

[शुभकामना संदेश]

अपार हर्ष के साथ कहना है की सरकारी विद्यालय के प्रतिभावान बच्चो के प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सकारात्मक ऊर्जा द्वारा ToB "बाल मन कैमूर" मासिक पत्रिका बच्चो और शिक्षको के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की तरह है जिसके माध्यम से बच्चो के कलात्मक,रचनात्मक,

सृजनात्मक और बौद्धिक क्षमता के साथ सर्वांगीण विकास हो रहा है।सरकारी विद्यालय के बच्चो ने भी इस पत्रिका के माध्यम से अपने प्रतिभा के परचम को राज्य स्तरीय पटल पर लहराने को प्रेरित किया है।इस नवाचार को अपनाने और बच्चो के लिए समर्पण भाव से कार्य करने के लिए मैं अपने तरफ से इस पत्रिका के संपादक धीरज कुमार और उनके टीम में शामिल सभी शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए बाल मन कैमूर को अपनी शुभकामना देते हुए सरकारी विद्यालय के बच्चो के उज्ज्वल और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

औरंगाबाद

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

जीवन में यदि आपको सफल होना है तो भीड़ से अलग हटकर अपनी एक नई पहचान बनाए और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर गतिशील रहे।आप सभी बच्चों को बाल दिवस और शिक्षा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तकपहुंचाते हैं,राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! ठंड का आगमन नवंबर महीने से हो गया है।इस मौसम में आप खुद को बचा कर रखे। गर्म पानी का सेवन करे और शरीर को भी गर्म कपड़ों से ढंक कर रहे। इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका

धीरज कुमार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा

भभुआ(कैमूर)बिहार

संपर्क सूत्र: 9431680675

ToB संदेश

बच्चों के नाम

प्रमोद कुमार 'निराला '
प्रधान संपादक
ToB बालमन चांद(कैमूर)

प्रिय बच्चों,

आप सभी अपने विद्यालय में पढ़ाई के साथ - साथ कला के क्षेत्र में भी बेहतरीन कार्य कर रहे हैं।आपकी प्रतिभा केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रही है।टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के माध्यम से अब जिला से लेकर राज्य स्तर से होते हुए अब राष्ट्रीय स्तर पर आपकी पहचान आपके कला और प्रतिभा से हो रही हैं। जिस सोच के साथ टीचर्स ऑफ बालमन की शुरुआत प्रधान संपादक धीरज कुमार द्वारा किया गया,उसे आगे बढ़ाते हुए कैमूर जिले के चांद प्रखंड से भी मेरे द्वारा बालमन पत्रिका की शुरुआत प्रखंड स्तर से की गई।बालमन की टीम लगातार बच्चों के लिए,बच्चों के हित में बच्चों की प्रतिभा को सम्मानित सह प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन भी कर रही है और उनके प्रतिभा को एक मंच प्रदान कर रही है।बालमन चांद की टीम का विशेष आभार सहित सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

ToB बालमन

सहयोगी सदस्य

1. श्री राकेश कुमार मणि (रोचक गणित+दर्शनीय स्थल)
2. श्री राजेश कुमार सिंह (विज्ञान कॉर्नर)
3. श्री अवधेश राम (शिक्षण अधिगम सामग्री)
4. श्री राकेश कुमार (खेल कॉर्नर+सुरक्षित शनिवार+शिक्षा शब्दकोश +रोचक तथ्य)
5. श्रीमती पुनीता कुमारी (पर्यावरण अध्धयन)
6. श्री संजय कुमार (बूझो तो जानें)
7. श्रीमती प्रतिभा पांडेय (MATH TLM)

बालमन

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन की कलम से...

इस धरती पर जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चों में कुछ न कुछ विशेष प्रतिभा जरूर होती हैं। हम ये भी कह सकते है की हर बच्चे कलाकार होते हैं। घर के आंगनरूपी विद्यालय से माता-पिता और अभिभावकों के बीच बच्चें अपनी कला प्रदर्शन करते हैं। विद्यालय में भी बच्चें अपने मार्गदर्शक शिक्षको के सानिध्य में अपनी कला को प्रदर्शित करते हैं।

बालमन क्या हैं ?

सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा और कलाकारी केवल विद्यालयों तक सीमित न रहते हुए राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए,इसी उद्देश्य से बच्चों के मन में कला के प्रति उत्पन्न सोच को विभिन्न रूपों में एक जगह संग्रहित कर सम्मानित सह प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार के सौजन्य से बालमन पत्रिका की शुरुआत की गई। बालमन पत्रिका बच्चों के लिए एक प्लेटफॉर्म है जिसके माध्यम से दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चें उत्साहपूर्वक अपनी कला का प्रदर्शन करते है और अपनी कला और प्रतिभा के लिए बालमन द्वारा सम्मानित भी होते हैं। बालमन पत्रिका राज्य स्तर, जिला स्तर,प्रखंड,स्तर,संकुल स्तर और विद्यालय स्तर पर भी बच्चों के लिए बहुत उपयोगी,ज्ञानवर्धक और रोचक ज्ञान से परिपूर्ण एक मासिक ई - पत्रिका है।

www.teachersofbihar.org/publication/balman

बालमन

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन की कलम से...

प्रकृति ने सभी को कुछ ख़ास बनाया हैं।जिस तरह अच्छे से सिंचित छोटा पौधा बड़ा होकर एक सुन्दर वृक्ष बनता हैं ठीक इसी तरह हमारे बच्चों को बचपन से ही उनके कला और प्रतिभा को एक मंच देते हुए अवसर दे तो बड़े होकर अपने प्रतिभा से एक अच्छे इंसान और कलाकार बन सकते हैं।हमने भी इसी सोच के साथ बच्चों के लिए बालमन पत्रिका की परिकल्पना करते हुए पत्रिका के साथ प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों को प्रोत्साहित और सम्मानित किया हैं।

बालमन क्यों ?

सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चें प्राय: ऐसे घर से आते हैं जिनके पास संसाधनों की बहुत कमी है परंतु वे बच्चें प्रतिभा के बहुत धनी हैं। विद्यालय स्तर तक ही बच्चों की प्रतिभा सीमित न रहे, जिला,राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक बच्चों की प्रतिभा से उन्हें एक पहचान मिले साथ ही साथ उनकी कला हमेशा के लिए संरक्षित रहे। इसी उद्देश्य के साथ बालमन की टीम कार्य कर रही हैं।हम सभी को देश के भविष्य कहे जाने वाले बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ बच्चों को कला से जोड़ना होगा।उनकी प्रतिभा चाहे जो भी हो उसे स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर पर लाने की जिम्मेदारी हम सभी जागरूक शिक्षकों की है। हम सभी के इस प्रयास से हो सकता है कि इन बच्चों की अपनी एक नई पहचान तो बनेगी ही अपने प्रतिभा से ये बच्चें रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेंगे। हमारे इसी प्रयास के लिए टीचर्स ऑफ बिहार बालमन जरूरी है।

www.teachersofbihar.org/publication/balman

Teachers of Bihar

अनमोल विचार

बालमन

अच्छे कार्य स्वयं को ताकत देते हैं और दूसरों को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्लेटो

राकेश कुमार

ToB बालमन प्रेरक प्रसंग

दांव-पेंच

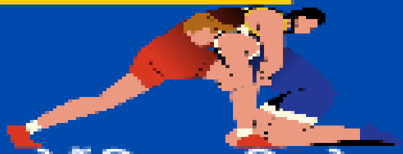

एक गाँव में एक दिन कुश्ती स्पर्धा का आयोजन किया गया । हर साल की तरह इस साल भी दूर -दूर से बड़े- बड़ें पहलवान आये । उन पहलवानो में एक पहलवान ऐसा भी था, जिसे हराना सब के बस की बात नहीं थी। जाने-माने पहलवान भी उसके सामने ज्यादा देर टिक नही पाते थे।स्पर्धा शुरू होने से पहले मुखिया जी आये और बोले , " भाइयों , इस वर्ष के विजेता को हम 3 लाख रूपये इनाम में देंगे। "इनामी राशि बड़ी थी , पहलावन और भी जोश में भर गए और मुकाबले के लिए तैयार हो गए। कुश्ती स्पर्धा आरंभ हुई और वही पहलवान सभी को बारी-बारी से चित्त करता रहा । जब हट्टे-कट्टे पहलवान भी उसके सामने टिक ना पाये तो उसका आत्म-विश्वास और भी बढ़ गया और उसने वहाँ मौजूद दर्शकों को भी चुनौती दे डाली – " है कोई माई का लाल जो मेरे सामने खड़े होने की भी हिम्मत करे !! ... "वही खड़ा एक दुबला पतला व्यक्ति यह कुश्ती देख रहा था, पहलवान की चुनौती सुन उसने मैदान में उतरने का निर्णय लिया,और पहलावन के सामने जा कर खड़ा हो गया।

यह देख वह पहलवान उस पर हँसने लग गया और उसके पास जाकर कहाँ, तू मुझसे लडेगा...होश में तो है ना? तब उस दुबले पतले व्यक्ति ने चतुराई से काम लिया और उस पहलवान के कान मे कहाँ, "अरे पहलवानजी मैं कहाँ आपके सामने टिक पाऊगां, आप ये कुश्ती हार जाओ मैं आपको ईनाम के सारे पैसे तो दूँगा ही और साथ में 3 लाख रुपये और दूँगा,आप कल मेरे घर आकर ले जाना।

आपका क्या है , सब जानते हैं कि आप कितने महान हैं , एक बार हारने से आपकी ख्याति कम थोड़े ही हो जायेगी..."

कुश्ती शुरू होती है ,पहलवान कुछ देर लड़ने का नाटक करता है और फिर हार जाता है। यह देख सभी लोग उसकी खिल्ली उड़ाने लगते हैं और उसे घोर निंदा से गुजरना पड़ता है।

अगले दिन वह पहलवान शर्त के पैसे लेने उस दुबले व्यक्ति के घर जाता है,और 6 लाख रुपये माँगता है.

तब वह दुबला व्यक्ति बोलता है , " भाई किस बात के पैसे? "

"अरे वही जो तुमने मैदान में मुझसे देने का वादा किया था। ", पहलवान आश्चर्य से देखते हुए कहता है।

दुबला व्यक्ति हँसते हुए बोला "वह तो मैदान की बात थी, जहाँ तुम अपने दाँव-पेंच लगा रहे थे और मैंने अपना.. पर इस बार मेरे दांव-पेंच तुम पर भारी पड़े और मैं जीत गया।

शिक्षा

कहानी हमें सीख देती है कि थोड़े से पैसों के लालच में वर्षों के कड़े परिश्रम से कमाई प्रतिष्ठा भी कुछ ही पलों में मिटटी मे मिल जाती है और धन से भी हाथ धोना पड़ता है। अतः हमें कभी अपने नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं करना चाहिए और किसी भी तरह के भ्रष्टाचार से बच कर रहना चाहिए।

सोशल मीडिया से

पद्य पंकज

" आ रही हिमालय से पुकार है
उदधि गरजता बार बार
प्राची पश्चिम भू नभ अपार,
सब पूछ रहें हैं दिग-दिगन्त
वीरों का कैसा हो वसंत"

सुभद्रा कुमारी चौहान

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

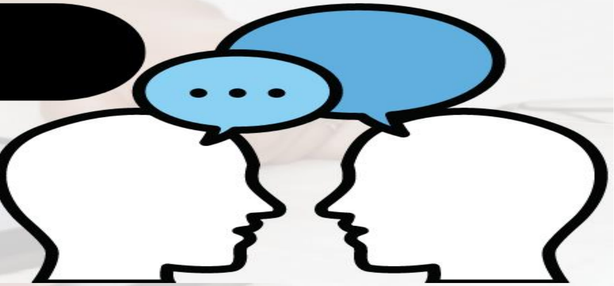

मेरे शिक्षक धीरज सर के द्वारा विद्यालय में मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता करवाया गया|इस प्रतियोगिता के कारण ही पहली बार मैं जिला मे डीईओ सर और डीपीओ सर से सम्मानित हुई| मैं इसके लिए सर का और टीचर्स ऑफ बिहार बालमन की आभारी रहूंगी|मेरे विद्यालय में सर के द्वारा बालमन कॉर्नर भी बनाया गया हैं जो हम बच्चों के लिए बहुत अच्छा है|

नाजिया खातून
वर्ग 6
U.M.S. सिलौटा, भभुआ
कैमूर

टीचर्स ऑफ बिहार बाल मन पत्रिका का हर अंक बहुत ही ज्ञानवर्धक व रोचक लगता हैं। बालमन में बच्चें अपनी कला को देख कर बहुत खुश होते है और अपने प्रयास से पहले से बेहतर कार्य करते हैं|पत्रिका के प्रधान संपादक भाई धीरज जी को इस तरह का पुनीत कार्य करने के लिए बहुत-बहुत बधाई सह धन्यवाद|

डॉ० संजय कुमार सिंह
(प्रधानाचार्य)
U.H.S. बैजनाथ, रामगढ़
कैमूर

ToB बालमन अंतर खोजे

30 सेकंड में 5 अंतर खोजे

Teachers of Bihar

बालमन

विश्व के धरोहर

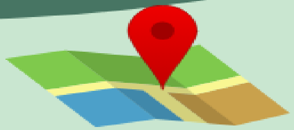

क्राइस्ट द रिडीमर

यह ब्राज़ील के रियो डी जेनेरो में स्थापित ईसा मसीह की एक प्रतिमा है जिसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आर्ट डेको स्टैच्यू माना जाता है।यह प्रतिमा अपने 9.5 मीटर (31 फीट) आधार सहित 39.6 मीटर (130 फीट) लंबी और 30 मीटर (98 फीट) चौड़ी है। इसका वजन 635 टन (700 शॉर्ट टन) है और तिजुका फोरेस्ट नेशनल पार्क में कोर्कोवाडो पर्वत की चोटी पर स्थित है।ऊंचाई 700 मीटर (2,300 फीट) जहाँ से पूरा शहर दिखाई पड़ता है। यह दुनिया में अपनी तरह की सबसे ऊँची मूर्तियों में से एक है। ईसाई धर्म के एक प्रतीक के रूप में यह प्रतिमा रियो और ब्राजील की एक पहचान बन गयी है। यह मजबूत कांक्रीट और सोपस्टोन से बनी है, इसका निर्माण 1922 और 1931 के बीच किया गया था।
यह विश्व धरोहर होने के सात ही दुनिया के सात अजूबों में से एक है। इस प्रतिमा की वजह से ही रियो डी जेनेरियो शहर का पर्यटन उद्योग भी चलता है।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

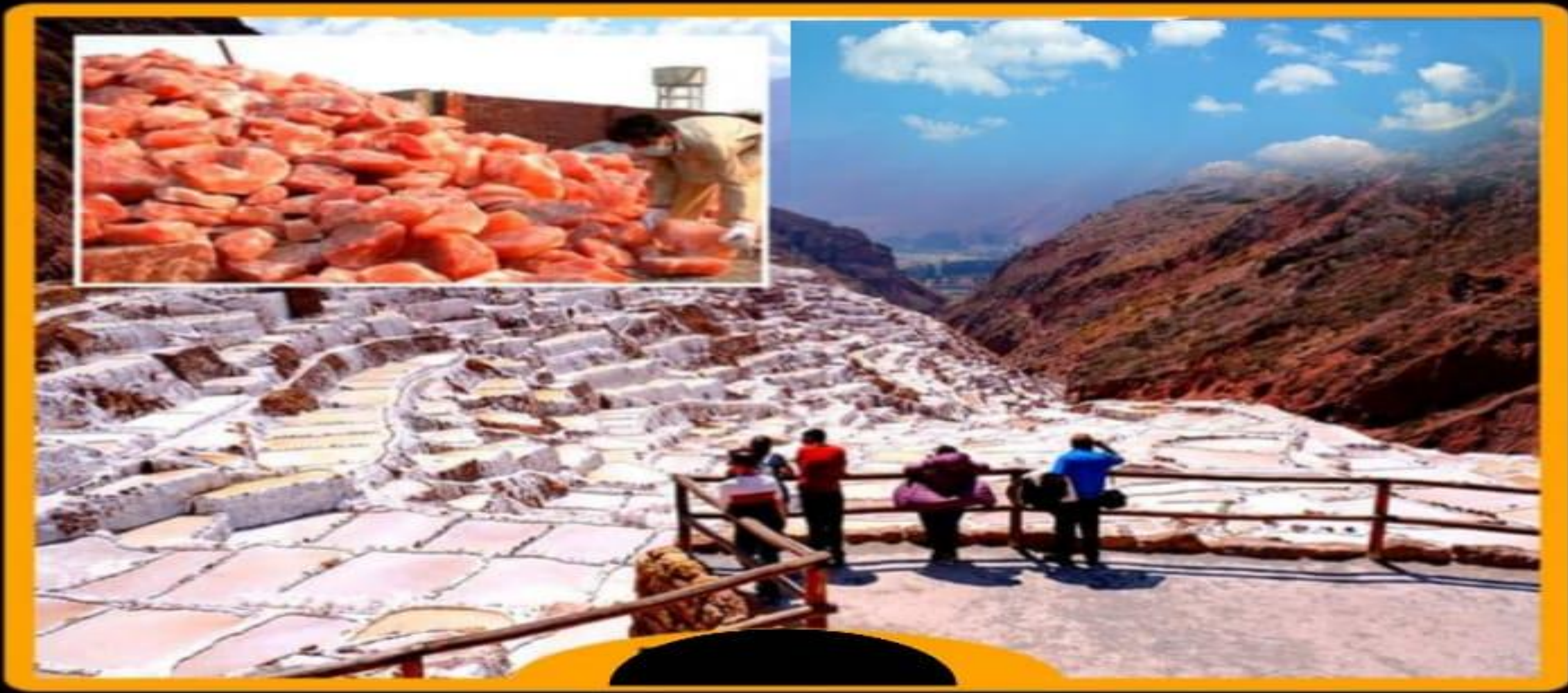

दुनिया का सबसे पुराना नमक पाकिस्तान में साल्ट रेंज में पाया जाता है। यह नमक, लगभग 600 मिलियन वर्ष पुराना होने का अनुमान है, व्यापक खेवड़ा नमक खदान का हिस्सा है, जो विश्व स्तर पर सबसे पुरानी और सबसे बड़ी नमक खदानों में से एक है।

उ0 म0 वि0 दोगच्छी ठाकुरगंज
किशनगंज

UMS मखदुमपुर फुलवारी शरीफ
(पटना)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर
फुलवारी शरीफ
पटना

ToB बालमन
नन्हें कलाकार

प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

सृष्टि कुमारी, वर्ग 4
UMS अर्रा, मोहनियां,
कैमूर

मध्य विद्यालय बम्हौर
मोहनियां कैमूर

Part 1

उच्च माध्यमिक विद्यालय हांसी
बेगमपुर, पूर्णिया

प्राथमिक विद्यालय कस्बा , पूर्णिया

Krishna Kumar
Class-7
U.M.S.Jarhi, Rosera
Samastipur

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 2

UMS मोहनपुर ,कुदरा,कैमूर

UMS खजरा, मोहनियां कैमूर

NPS दुल्लहपुर कैमूर

UHS सलथुआ, कुदरा, कैमूर

R.U.M.S. Dudhahan, Raghunathpur Siwan

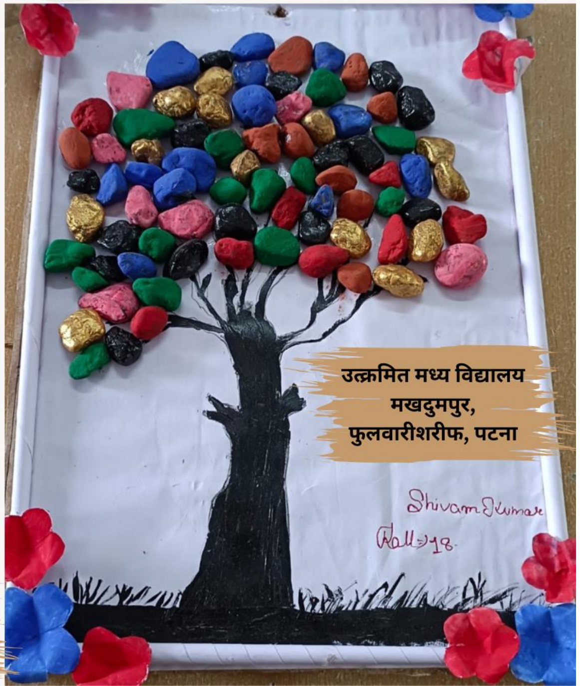

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर, फुलवारीशरीफ, पटना

UMS दुघरा, भभुआ कैमूर

D.N.S. मिडिल स्कूल मकराइन डेहरी रोहतास

प्राथमिक विद्यालय जगरिया चैनपुर (कैमूर)

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 3

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

R.U.M.S. Dudhahan Raghunathpur ,Siwan

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय आरा भोजपुर

प्राथमिक विद्यालय हेड क्वाटर कस्बा, पूर्णिया

उ०मध्य विद्यालय मखदुमपुर, फुलवारी शरीफ पटना

U.M.S. चंदा , चांद कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर फुलवारी शरीफ पटना

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंदिया चांद (कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय खरांटी चांद, कैमूर

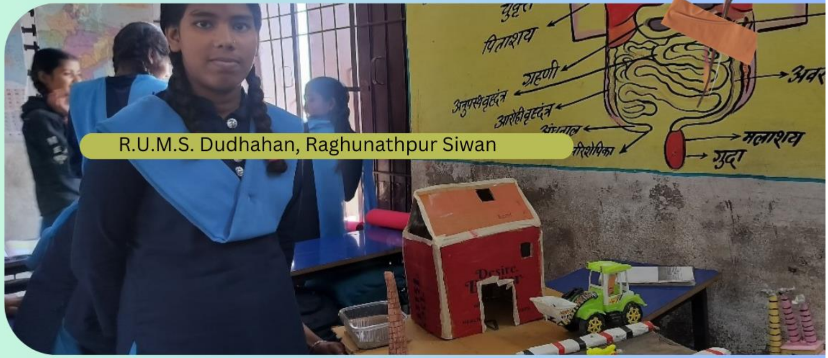

R.U.M.S. Dudhahan, Raghunathpur Siwan

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 4

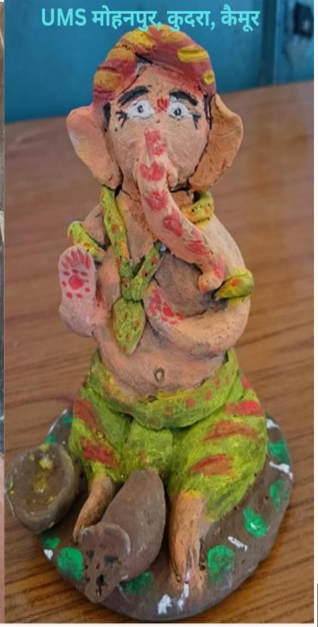

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

मध्य विद्यालय सीओं, भभुआ, कैमूर

U.M.S. अमरपुरा, मोहनियां ,कैमूर

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, प्रखंड- बरौली, जिला- गोपालगंज

NPS सौरूडीह, भभुआ , कैमूर

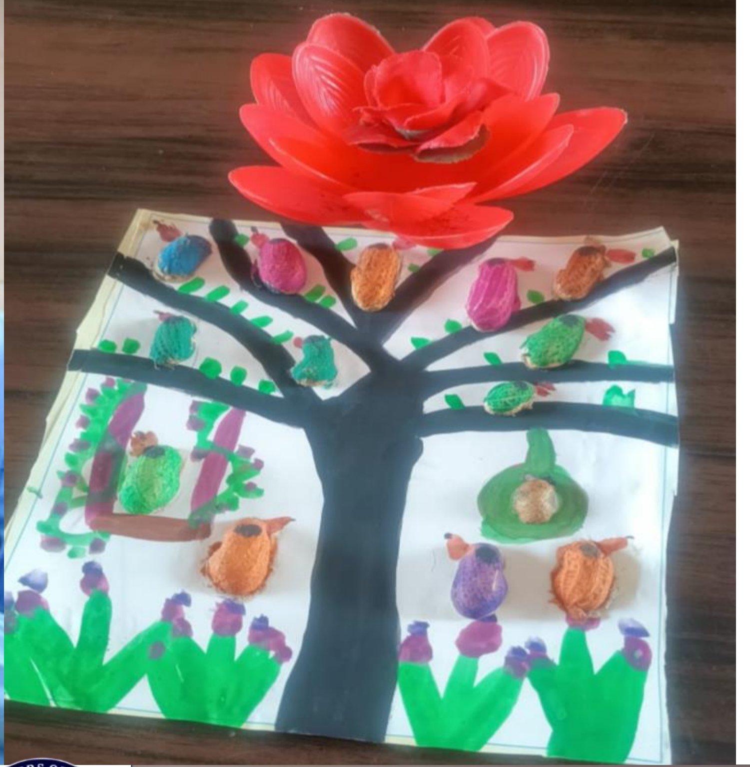

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 5

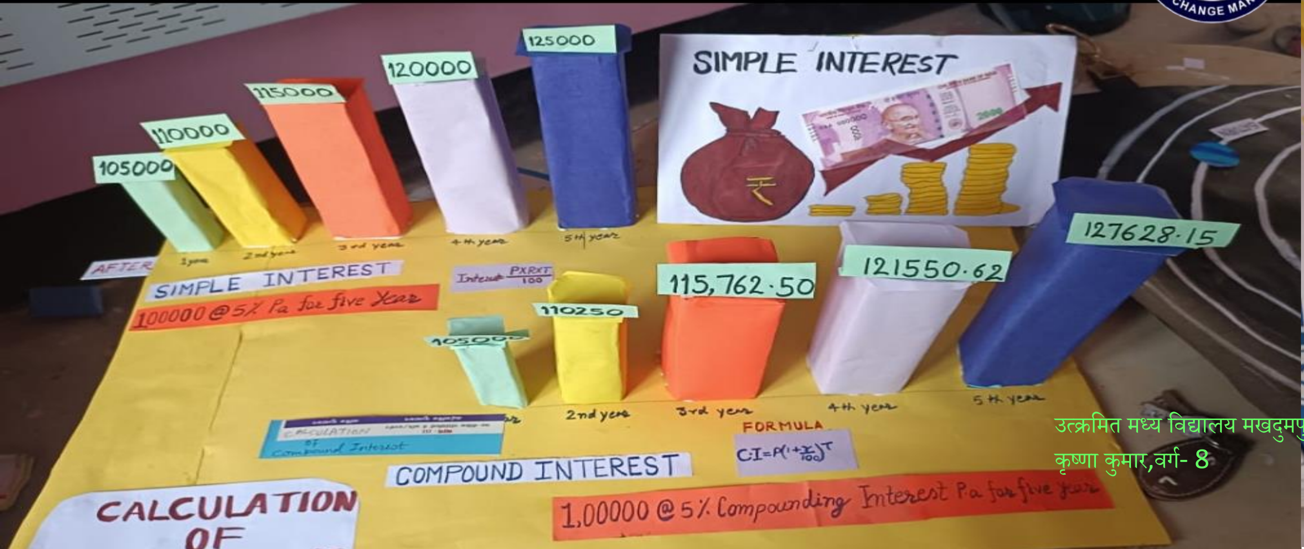

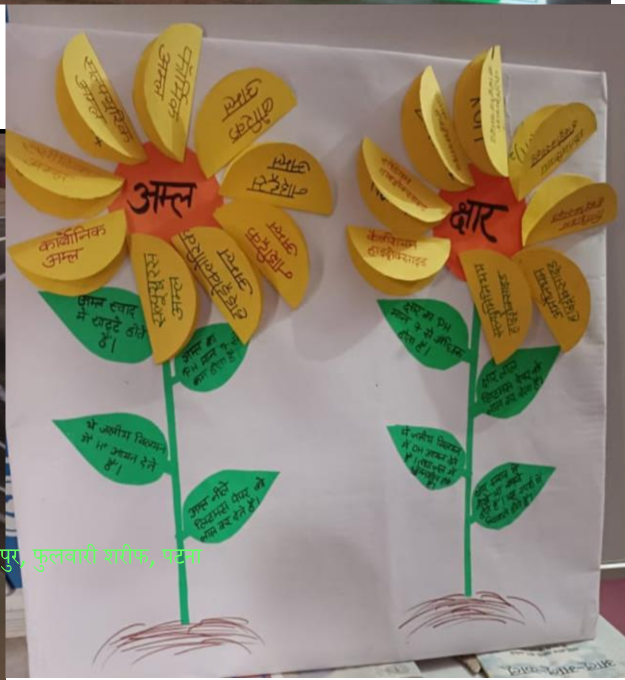

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर, फुलवारी शरीफ, पटना
कृष्णा कुमार,वर्ग- 8

एक नज़र इधर भी......

UMS दुघरा, कैमूर

UMS सिलौटा, कैमूर

राजकीय उ० मध्य विद्यालय सेनुअरिया प्रखण्ड चनपटिया पश्चिमी चम्पारण

मध्य विद्यालय सिमराहा अररिया

TOB बालमन

स्वस्थ दांत तो स्वस्थ मुस्कुराहट

दाँतो को नियमित रूप से ब्रश करने से बैक्टीरिया का जमाव रुक जाता है और दाँतो की सड़न और मसूड़ों की बीमारियों से बचाव होता है।रात को सोते समय ब्रश करके सोना चाहिए।

BRUSH YOUR TEETH

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवन के लिए

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
(ToB बालमन पत्रिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
कैमूर, बिहार

Health is wealth

नवम्बर 2024

ToB बालमन

अजब गजब

1 एक जानकारी के अनुसार डॉल्फ़िन वास्तव में एक दूसरे के लिए नाम रखते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि ये समुद्री स्तनधारी एक दूसरे को पहचानने के लिए एक विशिष्ट सीटी का उपयोग करते हैं। जब डॉल्फ़िन अपना "नाम" पुकारते हुए सुनते हैं, तो वे प्रतिक्रिया देते हैं।

2 बांस दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला पौधा भी है। बांस की एक प्रजाति एक दिन में 35 इंच तक बढ़ सकती है, और कुछ प्रजातियाँ सिर्फ़ 90 दिनों में पूरी तरह परिपक्व हो जाती हैं

3 बरमूडा त्रिभुज जो की उत्तरी अटलांटिक महासागर के पश्चिमी भाग में स्थित हैं ,यहां कई विमान और जहाज़ अचानक गायब हो गए

4 एक सर्वे के अनुसार इंग्लैंड में स्थित गांव डेटलिंग और थर्नहैम केंट दोनों गांव में लोग अप्रत्याशित रूप से ज्यादा उम्र तक जीवित रहते हैं। यहां महिला की औसत आयु 90 वर्ष और पुरुष की औसत आयु 86 वर्ष हैं।

5 पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण से बचने के लिए, अंतरिक्ष यान को 25,008 मील प्रति घंटे या मैक 33 के करीब की रफ़्तार से यात्रा करनी होती हैं।

ToB बालमन

हँसना जरूरी है...

ज्योतिषी : तुम्हारी हस्तरेखा कहती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है पर वो तुम्हारे उपयोग में नहीं आयेगा।

आदमी : हाँ पंडित जी मेरे घर के नीचे बैंक का एटीएम है।

चिंटू - सर इसका क्या मतलब है? आइ एम गोइंग

टीचर - मैं जा रहा हूं।

चिंटू- सर बताइए ना प्लीज।

टीचर - मैंने कहा ना मैं जा रहा हूं।

चिंटू - अरे ऐसे कैसे चले जाएंगे?

बताकर जाइए नहीं तो जाने नहीं दूंगा।

ToB बालमन विशेषांक

विषय : सामान्य ज्ञान

भारत के कुछ प्रमुख समाधि स्थल

धीरज कुमार (शिक्षक)
UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर, बिहार

समाधि स्थल	संबंधित महापुरुष/व्यक्ति का नाम
>>> राजघाट	महात्मा गांधी की समाधि स्थल
>>> शांति वन	जवाहर लाल नेहरू की समाधि स्थल
>>> विजय घाट	लाल बहादुर शास्त्री की समाधि स्थल
>>> महाप्रयाण घाट	डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद की समाधि स्थल
>>> शक्ति स्थल	इंदिरा गांधी की समाधि स्थल
>>> चैत्रा भूमि	भीमराव अम्बेडकर की समाधि स्थल
>>> समता स्थल	जगजीवन राम की समाधि स्थल
>>> वीर भूमि	राजीव गांधी की समाधि स्थल

ToB बालमन

आपके पेंटिंग

भाग 1

मध्य विद्यालय बम्हौर मोहनियां, कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
मखदुमपुर
फुलवारी शरीफ (पटना)

म०वि०सुरीगाँव, पूर्णिया , क्लास -छः
की छात्रा कुमारी पायल

अंशिका पल्लवी,
केंद्रीय विद्यालय कंकड़बाग
पटना

प्रियंका कुमारी, वर्ग 6
UMS सिलौटा, भभुआ,
कैमूर

सौम्य अग्रवाल
सौजन्य से आशीष सर
अररिया

ToB बालमन

आपके पेंटिंग

भाग 2

अनामिका कुमारी , वर्ग 8
साहू जैन मध्य विद्यालय
डालमियानगर, डेहरी रोहतास

मध्य विद्यालय ओदार, भभुआ, कैमूर

प्रतिमा कुमारी, कक्षा - 8
उत्क्र. म. वि. बहुआरा, भभुआ

श्रेया
सौजन्य से आशीष सर
अररिया

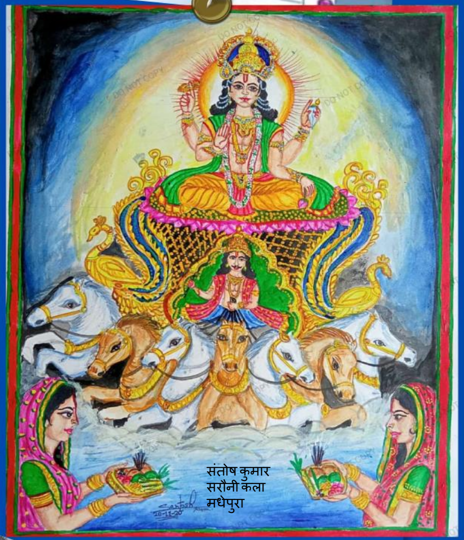

संतोष कुमार
सरौनी कला
मधेपुरा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमांव,
चैनपुर,कैमूर

मौलाना अबुल कलाम आजाद

Urdu ps karwandia
chand,kaimur
falak naz, class 3

SONY KUMARI
CLASS - IV
U.M.S- BHATGAON-1
THAKURGANJ
(KISHANGANJ)

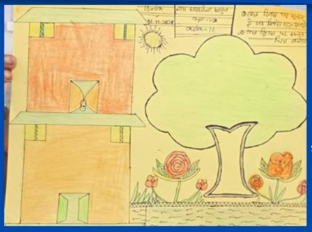

सरजीना खातुन
उत्क्रमित मध्य विद्यालय चाँपं
कोढ़ा कटिहार

UMS बेतरी भभुआ कैमूर

TOB बालमन आपके पेंटिंग

भाग 3

सुहानी सुमन समस्तीपुर

UMS सिलौटा, कैमूर

मध्य विद्यालय लत्तीपुर, बिहपुर, भागलपुर।

प्राथमिक विद्यालय कवई, भभुआ, कैमूर

R.U.M.S. Dudhahan, Raghunathpur Siwan

Shahu jain middle school Dalmia Nagar Rohtas

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर, फूलवारी शरीफ, पटना

नाम - अंजली कुमारी
कक्षा 6
UMS छोटका कटरा, मोहनियां, कैमूर

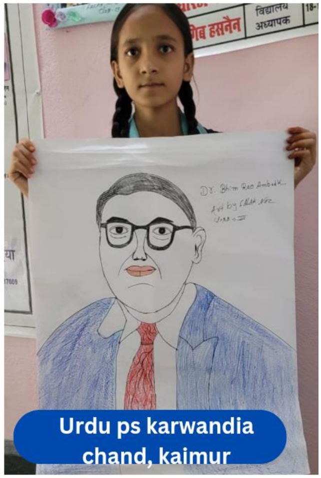

Urdu ps karwandia chand, kaimur

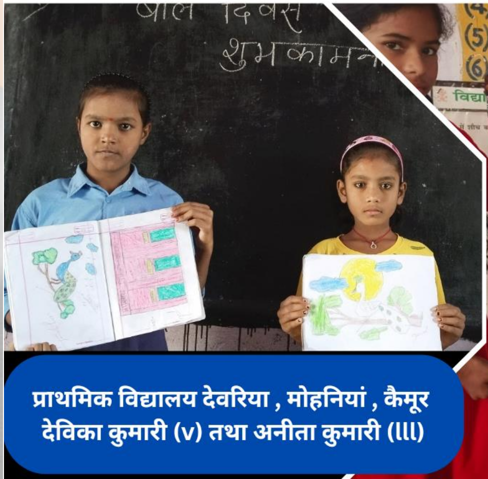

प्राथमिक विद्यालय देवरिया , मोहनियां , कैमूर
देविका कुमारी (v) तथा अनीता कुमारी (lll)

राजकीयकृत कन्या मध्य विद्यालय भभुआ वार्ड 18 कैमूर

ToB बालमन पेंटिंग भाग 4

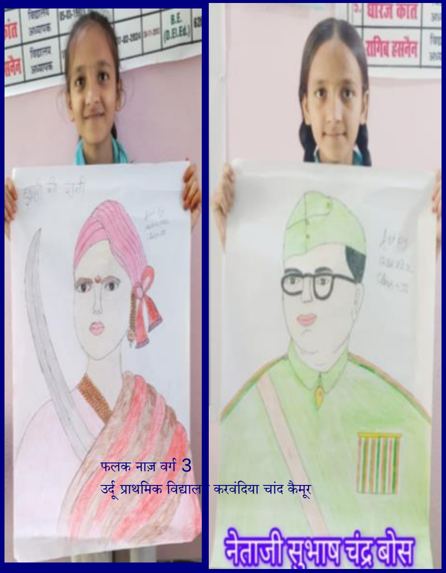

Anshika Pallavi class7 Kendriya vidyalaya no 1 kankarbagh Patna

प्राथमिक विद्यालय कवई भभुआ कैमूर

R.U.M.S DUDAHAN,SIWAN

TOB बूझो तो जानें..

संजय कुमार + धीरज कुमार

TEACHERS OF BIHAR — THE CHANGE MAKERS

बालमन

नवम्बर 2024

1

कम हूं पर साथ में बल है।
ठंडी में गर्मी है मुझसे।।
मेरे बिना गुजरे ना ठंडी रात।
मेरे है बड़े ठाठ बाट।।

2

नाक पर चढ़कर,कान को पकड़कर।
लोगों को वही पढ़ाते हैं।
साफ - साफ पहचान है इनकी।
बोलो क्या कहलाते हैं ?

3

जनजातीय गौरव है इनसे
कहलाते है ये भगवान।
आदिवासी समाज में रहकर
दुश्मन का किया काम तमाम।।

4

बच्चों के है प्यारे चाचा।
लाल गुलाब इनको बहुत भाता।।
इनका जन्मदिन बच्चों को समर्पित।
नाम बताओ जल्दी मेरे मीत।।

उत्तर 1- कम्बल 2- चश्मा , 3-बिरसा मुंडा 4-पंडित जवाहरलाल नेहरू

ToB बालमन

ENGLISH CORNER

PUNCTUATION MARKS

Mark	Name
.	FULL STOP
,	COMMA
;	SEMICOLON
-	HYPHEN
?	QUESTION MARK
/	SLASH
:	COLON
...	ELLIPSIS
!	EXCLAMATION MARK
'	APOSTROPHE
“ ”	QUOTATION MARK
_	UNDERSCORE
*	ASTERISK

धीरज कुमार
ToB बालमन पत्रिका (प्रधान संपादक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा कैमूर(बिहार)

ToB बालमन

CLASS 4
EVS

माह - नवम्बर

छठ पर्व

* छठ पूजा बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के प्रमुख त्योहारों में से एक है।
* यह पर्व लोक आस्था का पर्व है, जिसे बड़ी श्रद्धा से मनाया जाता है।
* छठ पर्व साल में दो बार मनाई जाती है एक चैत्र के महीने में और दूसरा कार्तिक के महीने में।
* यह पर्व पुरुष या स्त्री किसी के द्वारा भी किया जा सकता है।
* छठ पूजा में पारंपरिक प्रसाद के रूप में ठेकुआ काफी प्रसिद्ध है।
* यह पर्व चार दिनों तक चलता है- पहला दिन नहाय-खाय जिसमें चने की दाल, लौकी की सब्जी और रोटी का महत्व है।
* दूसरा दिन खरना के नाम से जाना जाता है जिसमें रोटी और गुड़ का खीर का महत्व है।
*तीसरे दिन नदी के तट पर छठ माता की पूजा की जाती है और डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।
*चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा का समापन किया जाता है।

पुनीता कुमारी
रा ० म० वि० नेउरी,
बरौली (गोपालगंज)

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

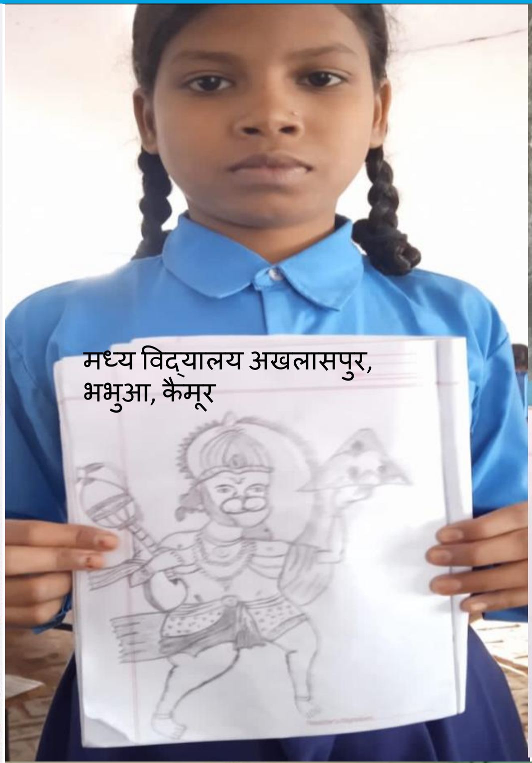

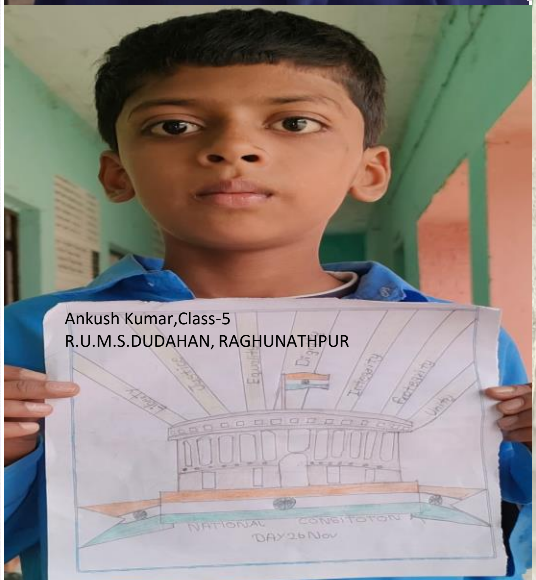

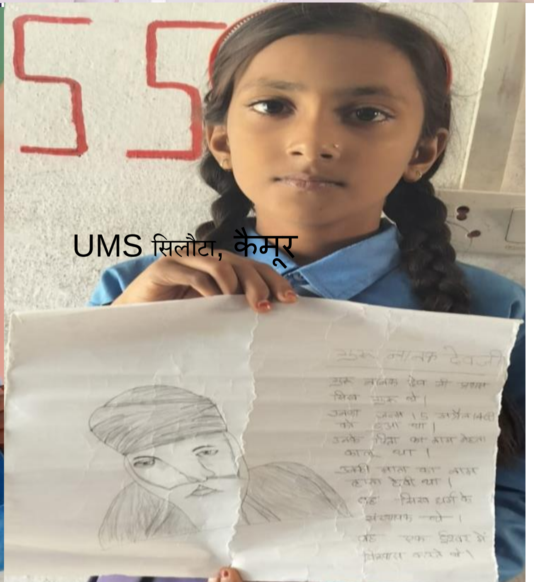

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 2

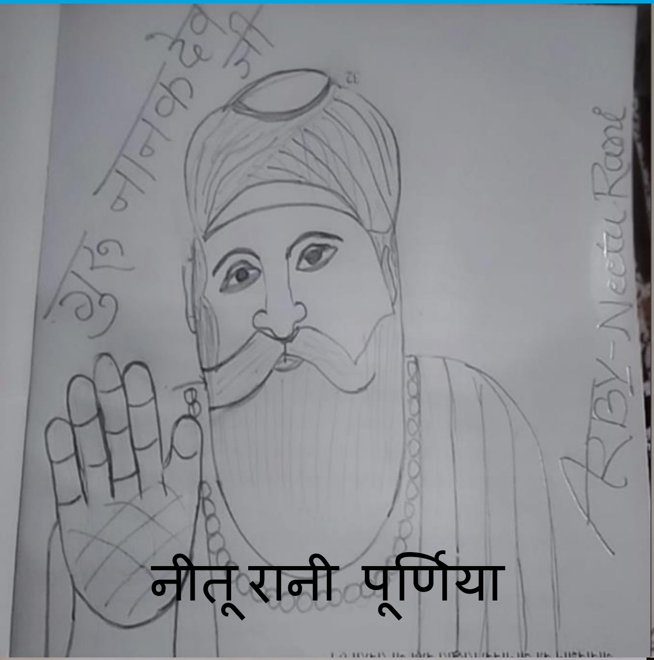

नीतू रानी पूर्णिया

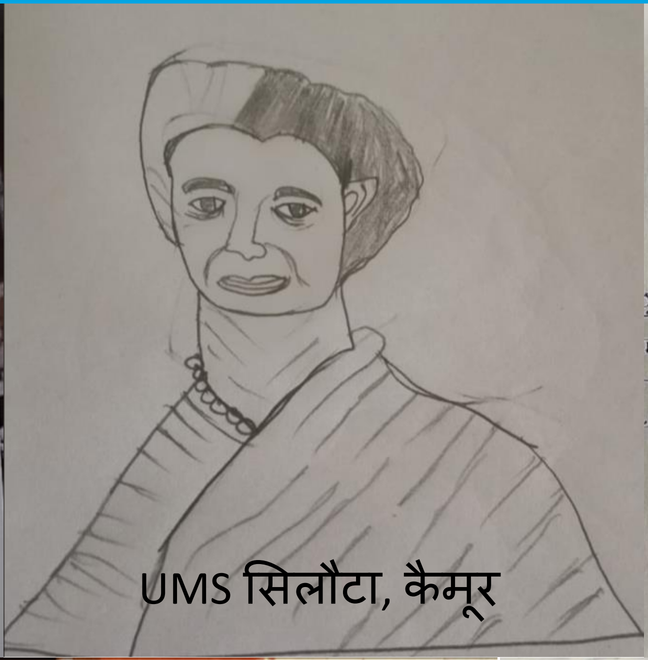

UMS सिलौटा, कैमूर

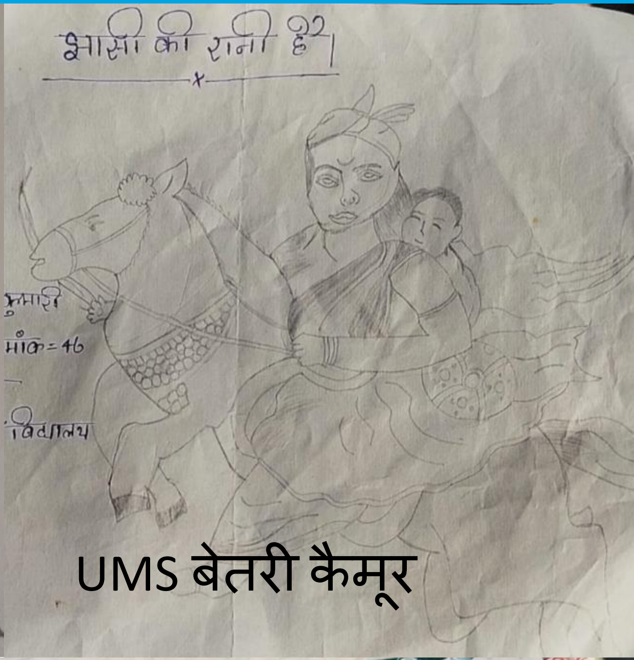

UMS बेतरी कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास, कैमूर

UMS दुघरा, कैमूर

साहू जैन मध्य विद्यालय डालमियानगर डेहरी रोहतास

ToB बालमन कविता

पानी

पानी को हम पीते है।
पानी से हम जीते है।।

पानी से होता है सारा काम।
पानी बिना जीवन सुनसान।।

पानी से यह दुनिया चलती है।
पानी सबसे महत्व रखती है।।

पानी अनमोल है।
आइए पानी बचाते है।

आराध्या कुमारी ,वर्ग3
UMS सिलौटा, कैमूर, बिहार

ToB बालमन कविता

बच्चा और मोबाईल

आज कल के बच्चों को जन्म के साथ
नन्हें हाथों में मोबाईल मिल जाते है

रोते हुए बच्चों को मोबाईल दे चुप करा देते हैं,
हम खुद मोबाईल देखने की आदत लगाते हैं।।

बच्चें भी जन्म के साथ खिलौने के रूप में
मोबाईल पा कर खुश हो जाते हैं।
मोबाईल देख कर हर खाना हजम कर जाते हैं।

बच्चें जब थोड़े बड़े होते है तो,
हम उनसे मोबाईल नहीं देखने की हिदायत देते हैं।
कभी नहीं माने तो जिद के आगे झुक कर
फिर मोबाईल थमा देते हैं ।।

आदत मोबाईल की लगाई हुई
अब मां बाप पर पड़ने लगती है भारी,
अब तो पढ़ाई और गेम खेलने को
भी मोबाईल की है बारी।

समय रहते इस मोबाईल की दुनिया से
बच्चों को एक सीमा तक रोक रखना हैं।
तभी बच्चों का जीवन खुशहाल और बेहतर होगा।।

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
ToB बालमन पत्रिका

ToB बालमन
मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर, फुलवारी शरीफ, पटना
प्राथमिक विद्यालय कवई, भभुआ, कैमूर
I AM TOM
Urdu primary school bhabua ward no 1
U.M.S. AMAON,kaimur

T.o.B बालमन कविता

नवम्बर 2024

सूर्य जैसे चमकते रहोगे

सदा सूर्य जैसे चमकते रहोगे।
पढ़ाई अगर पूर्ण अपनी करोगे।।

कभी काम ऐसा नहीं आप करना।
रहे मान माँ-बाप का ध्यान रखना।।
करो नेकियाँ तो सदा ख़ुश रहोगे ।

सदा सूर्य जैसे चमकते रहोगे।।

सदा सादगी साथ जीता यहाँ जो,
दिखे जो बुराई उलझता कहाँ वो।।
हृदय हो सरल तो दमकते दिखोगे।

सदा सूर्य जैसे चमकते रहोगे।।

समझ-बूझ अपनी सदा साथ रखना।
नहीं अजनबी से मुलाकात करना।।
यही बाँध कर गाँठ तुम जो रखोगे।

सदा सूर्य जैसे चमकते रहोगे।।

करो नाम रौशन हमारे वतन का ।
नहीं मार्ग चुनना कभी तुम पतन का।।
युगों देश का तुम सितारा रहोगे।

सदा सूर्य जैसे चमकते रहोगे।।

सुखमिला अग्रवाल'भूमिजा'
मुंबई (महाराष्ट्र)

ToB Black Board Work

UMS सोनाव, कुदरा

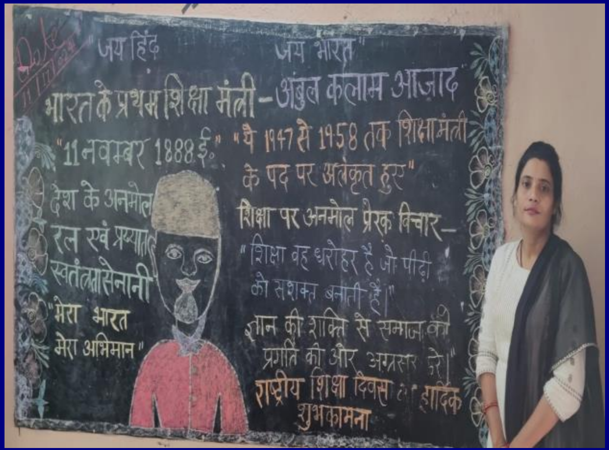

MS ODAR BHABUA KAIMUR BIHAR

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार

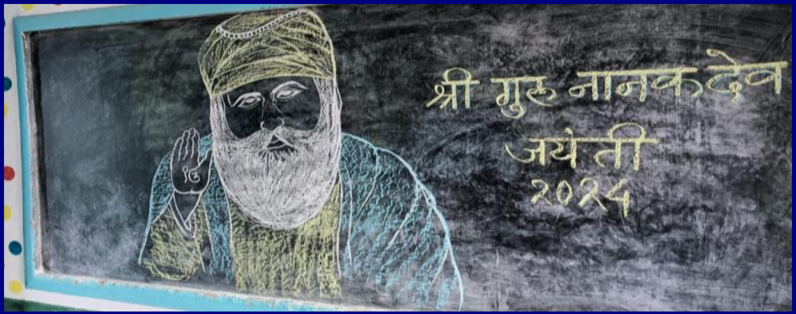

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर छातापुर सुपौल

ToB बालमन क्विज

नवम्बर 2024

धीरज कुमार
प्रधान संपादक सह शिक्षक
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ,कैमूर
(बिहार)

प्रश्न : अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस कब मनाया जाता हैं ?

a. 20 नवम्बर b. 14नवम्बर
c. 05 सितम्बर d. 11 जनवरी

सही उत्तर: a

प्रश्न : खट्टे फलों में कौन सा अम्ल /एसिड पाया जाता हैं ?

a. मैंलिक एसिड b. फार्मिक एसिड
c. सिट्रिक एसिड d. लैक्टिक एसिड

सही उत्तर: c

प्रश्न : मां मुंडेश्वरी वन्यप्राणी ईको पार्क बिहार के किस जिले में स्थित हैं ?

a. रोहतास b. औरंगाबाद
c. कैमूर d. दरभंगा

सही उत्तर: c

प्रश्न : महाराणा प्रताप 'बुलबुल' किसे कहते थे?

a. अपने हाथी को b. अपने ऊंट को
c. अपने गाय को d. अपने घोड़े को

सही उत्तर: d

ToB बालमन कहानी

मुखौटा

" मां .. मां.., आपको जानकर खुशी होगी कि इस बाल दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका द्वारा मुखौटा बनाओ प्रतियोगिता होने जा रही है। जिसमें कोई भी छात्र या छात्रा अपनी रुचि के अनुसार मुखौटा बना सकते हैं, सबसे आकर्षक मुखौटे को पुरस्कृत किया जायेगा। मैं भी बनाऊंगी एक ऐसा अजीबोगरीब मुखौटा, जिसको पहनने के बाद कोई नहीं पहचान पायेगा। "

कक्षा 6 में पढ़ने वाली प्रीति ने उत्साहित स्वर में अपनी माता जी से कहा।

" बिटिया, तुम जरूर कंपटीशन में हिस्सा लो, मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है। "मां ने प्रीति के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा।

आज सोमवार का दिन था। विद्यालय में मुखौटा निर्माण में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थी अपने हाथों से मुखौटा बनाकर चेहरे पर लगाकर आये थे।

हेड मास्टर ने सभी प्रतियोगिता में पार्टिसिपेट करने वाले बच्चों को एक लाइन में खड़ा किया। सभी छात्र और छात्राएं अपने हाथों से बनाए मुखौटे पहने हुए थे। कोई पहचान में नहीं आ रहा था।

हेड मास्टर ने घोषणा कि छात्रा प्रीति मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर है।

अब सभी चौकें, कुछ अध्यापकों ने पूछा कि प्रधानाध्यापक महोदय ने मुखौटा लगाने के बाद कक्षा 6 की छात्रा प्रति को कैसे पहचाना। तो उन्होंने जवाब दिया कि मुखौटा लगाने के बाद भी छात्रा प्रीति की आत्मविश्वास भरी मनमोहक मुस्कान ने उसे इस प्रतियोगिता में अव्वल बनाया। जिसके कारण सभी जजों ने उसे अच्छे नंबर दिए। कहानी का मर्म यह है कि उदास और मायूस चेहरे के स्थान पर बच्चों हंसते मुस्काते हुए चेहरे सभी को उपवन के पुष्पों की तरह आकर्षित करते हैं।

शरद कुमार वर्मा (शिक्षक)
रेलवे हायर सेकेंड्री चारबाग, लखनऊ (उ. प्र.)

मध्य विद्यालय घोसरावां, गिरियक नालंदा।

मध्य विद्यालय लहना, रामपुर(अररिया)

ToB बालमन

चेतना सत्र

योग अभ्यास करवाते हुए शिक्षक

मध्य विद्यालय नवनेर ,ओबरा (औरंगाबाद)

प्राथमिक विद्यालय सरस्वतीपुर छातापुर सुपौल

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: नवंबर

प्रथम शनिवार दिनांक 02.11.2024	भगदड़ संबधी जोखिम एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
द्वितीय शनिवार दिनांक 09.11.2024	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 16.11.2024	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)
चतुर्थ शनिवार दिनांक 23.11.2024	बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के संदर्भ में जानकारी 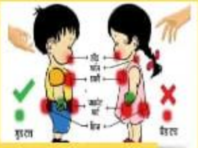

किसी माह पांचवे शनिवार पड़ने की स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबधित जानकारी देंगे एवं उसका अभ्यास करायेंगे।

माह: दिसम्बर

प्रथम शनिवार दिनांक 07.12.2024	निमोनिया एवं सर्दी-खांसी/जुकाम, आंख एवं त्वचा का संक्रमण, चेचक से खतरे तथा इसके बचाव के उपाय की जानकारी।
द्वितीय शनिवार दिनांक 14.12.2024	हाथ धुलाई, खुले में शौच के खतरे, मल का सुरक्षित निपटान के सन्दर्भ में जानकारी ।
तृतीय शनिवार दिनांक 21.12.2024	जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों का संरक्षण के सन्दर्भ में जानकारी।
चतुर्थ शनिवार दिनांक 28.12.2024	शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के बारे में जानकारी ।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिया ,दिघलबैंक(किशनगंज)

सुरक्षित शनिवार

TEACHERS OF BIHAR THE CHANGE MAKERS

U.M.S.सिलौटा, कैमूर

Nps barmadia izmal
Block-Chakia, Purbi Champaran

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
और राजकीय मध्य विद्यालय बरौली
गोपालगंज

प्राथमिक विद्यालय
छुरछुरिया
प्रखण्ड फारबिसगंज
जिला अररिया

TEACHERS OF BIHAR

गुणकारी सब्जी

मूली

मूली (राफानुस सैटियस) ब्रैसिसेकी परिवार की, मिट्टी के भीतर पैदा होने वाली एक सब्जी है। वास्तव में यह एक परिवर्तित जड़ है । मूली दुनिया भर में उगाई और खपत की जाती है। मूली की कई किस्में हैं जो प्रजनन के आकार, रंग और समय में भिन्न होती हैं। कुछ प्रजातियाँ तेल उत्पादन के लिए भी उगाई जाती हैं।मूली सभी प्रकार के बवासीर में फायदेमंद होती है। ठंड के समय मूली खानी चाहिए क्योंकि इससे वायु विकारादी भी कम होती है।मूली में पानी की मात्रा ज्यादा होती है जबकि कैलोरी और वसा कम होती है. साथ ही फाइबर की भी मात्रा पायी जाती हैं।इस सब्जी में विटामिन ए, सी और ई ज्यादा होते हैं। मूली और इसके पत्ते तरह से हमारे लिए उपयोगी है।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ
(कैमूर)

ToB बालमन रंगोली विशेषांक

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर ,फुलवारी शरीफ, पटना

पूर्णिया

UMS अहिरॉंव , रामपुर, कैमूर

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार

UMS अहिरॉंव , रामपुर, कैमूर

MS Salthua Kudra(kaimur)

मध्य विद्यालय बलुआ मनेर (पटना)

मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय पाढ़ी, चांद, कैमूर

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

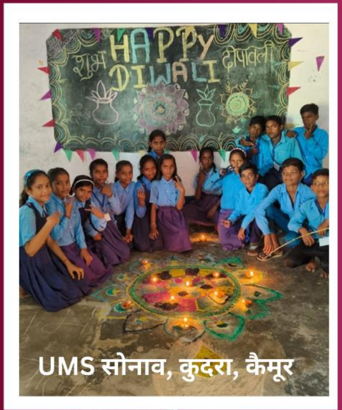

UMS सोनाव, कुदरा, कैमूर

D.N.S.M.S. मकराइन डेहरी, रोहतास

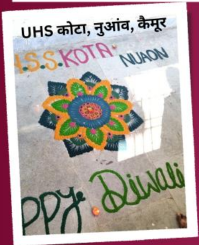

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

मध्य विद्यालय सकरी, कुदरा कैमूर

UMS मोहनपुर कुदरा कैमूर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर ,फुलवारी शरीफ, पटना

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवदियां, चांद, कैमूर

मध्य विद्यालय जहानाबाद, कुदरा,कैमूर

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय सेनुअरिया पश्चिमी चंपारण

अभाज्य गुणनखंड विधि से पूर्णांकों के HCF और LCM ज्ञात करना

किन्हीं दो धनात्मक पूर्णांकों a और b के लिए,

HCF (a, b) × LCM (a, b) = a × b

HCF = संख्याओं में प्रत्येक उभयनिष्ठ अभाज्य गुणनखंड की सबसे छोटी घात का गुणनफल

LCM = संख्याओं में संबद्ध प्रत्येक अभाज्य गुणनखंड की सबसे बड़ी घात का गुणनफल

उदाहरण: 6 और 20 का अभाज्य गुणनखंड विधि से HCF और LCM ज्ञात करना।

हल: यहाँ $6 = 2^1 \times 3^1$ और $20 = 2 \times 2 \times 5 = 2^2 \times 5^1$

$HCF(6,20) = 2^1 = 2$

$LCM(6,20) = 2^2 \times 3^1 \times 5^1 = 60$

अपरिमेय संख्याओं का दशमलव प्रसार

अनवसानी अनावर्ती (Non Terminating Non Recurring)

किसी भिन्न के मान में यदि दशमलव के बाद आने वाले अंक किसी निश्चित क्रम में नहीं आते है तो, दशमलव प्रसार को अनवसानी अनावर्ती कहते हैं।

उदाहरण - (a) 0.1011011101111001111111______

(b) π=3.14159265358979323 8______

इत्यादि।

अपरिमेय संख्या का दशमलव प्रसार अनवसानी अनावर्ती होता है।

राकेश कुमार

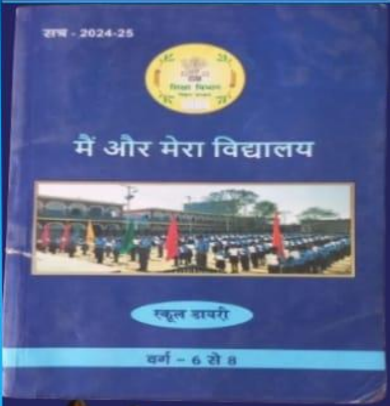

माह
दिसम्बर 2024

प्रमुख दिवस / जयंती

01 दिसम्बर	विश्व एड्स दिवस
03 दिसम्बर	विश्व विकलांगता दिवस, मेधा दिवस, प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का जन्मदिवस
04 दिसम्बर	भारतीय नौसेना दिवस
10 दिसम्बर	मानव अधिकार दिवस
25 दिसम्बर	क्रिसमस डे (ईसा मसीह की जयंती)

यह दिवस / जयंती बच्चों को जो स्कूल डायरी दी गई है उस पर आधारित है।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

11 नवंबर

मधु प्रिया

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवम्बर

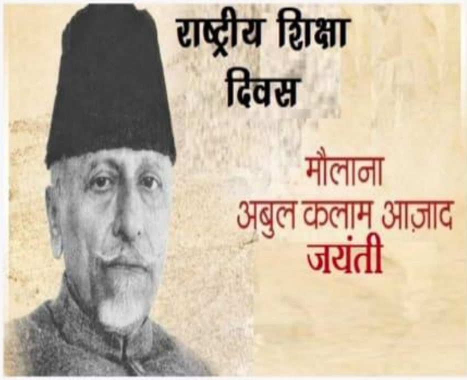

यह दिवस भारत सरकार भारत के पहले शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की याद में हर 11 नवंबर को मनाया जाता है। आजाद ने शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने व सुलभ बनाने में खास योगदान दिए. मौलाना अबुल कलाम आजाद को स्वतंत्र भारत का पहला शिक्षा मंत्री बनाया गया। आजाद की जयंती को भारत वर्ष में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 11,सितंबर 2008 को घोषणा की, "मंत्रालय ने भारत में शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए भारत के इस सपूत के जन्मदिन को मनाने का फैसला किया है। 2008 से हर साल 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाएगा, इसे अवकाश के रूप में घोषित किया जाएगा।" देश के सभी शैक्षणिक संस्थान साक्षरता के महत्व और शिक्षा के सभी पहलुओं के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर बैनर कार्ड और नारों के साथ सेमिनार, संगोष्ठी, निबंध-लेखन, भाषण प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और रैलियों के साथ दिन को मनाने की घोषणा करते हैं।इस दिन को स्वतंत्र भारत में शिक्षा प्रणाली की नींव रखने और क्षेत्र में देश के वर्तमान प्रदर्शन का मूल्यांकन और सुधार करने में आजाद के योगदान को याद करने के अवसर के रूप में भी देखा जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2023 का विषय ' शिक्षा को प्राथमिकता देना: हमारे लोगों में निवेश ' है। भारत का राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2008 से हर साल 11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस दिन शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखा जाता है, क्योंकि वह स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे।

/teachersofbihar

ToB राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

हॉकी

भारत ने महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप का फाइनल जीता: चीन को 1-0 से हराया, दीपिका का गोल डिसाइडर बना; तीसरी बार ट्रॉफी जीती

आयोजन स्थल: राजगीर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स (बिहार)

बिहार के राजगीर में हुई महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी पर भारत ने कब्जा जमा लिया है। टीम इंडिया ने चीन को 1-0 से हरा दिया है। तीसरे क्वार्टर के पहले मैच के 31वें मिनट में दीपिका ने टीम इंडिया के लिए पहला गोल किया, जिसने भारत को जीत दिलाई।

GOLF

गोल्फ खेल का इतिहास

112 साल के अंतराल के बाद रियो 2016 ओलंपिक में गोल्फ ओलंपिक कार्यक्रम में लौट आया। पेरिस 1900 और सेंट लुइस 1904 ओलंपिक में एक आधिकारिक खेल, गोल्फ़ गायब हो गया था।

गोल्फ के नियम

- हर राउंड में **18 होल** का इस्तेमाल किया जाता है और पेशेवर प्रतियोगिता में **4 राउंड** के खेल का आयोजन होता है।
- अगर गेंद पानी में जाती है तो खिलाड़ियों को **पेनल्टी शॉट** खेलना पड़ता है। प्लेयर को इस दौरान गेंद के नजदीक पानी के अंदर जाकर फिर से शॉट खेलना होता है।
- **सबसे कम स्कोर** वाला खिलाड़ी जीतता है।

बेहतर वायुगतिकी के लिए गेंद में डिंपल होते हैं.

1.68 इंच

शॉट लगाने की तकनीक

गोल्फ़ कोर्स की रचना

ToB बालमन

रोचक गणित

गणित की उत्पत्ति से जुड़ी कुछ खास बातें

- सुमेरियों ने सबसे पहले गणना प्रणाली विकसित की थी।
- बेबीलोनियों ने अंकगणित की एक परिष्कृत प्रणाली विकसित की थी।
- मिस्र के लोग पहली गणित की पाठ्यपुस्तक में अंकगणित और ज्यामिति की समस्याओं को कैसे हल करते थे, इसका पता रिंड पेपिरस से चलता है।
- यूनानियों ने प्राचीन मिस्रियों और बेबीलोनियों द्वारा विकसित गणित का विस्तार किया।
- माया गणितज्ञों ने खगोलीय घटनाओं की भविष्यवाणी करने के लिए एक संख्या प्रणाली विकसित की थी।
- पाइथागोरस ने 530 ईसा पूर्व के आस-पास समकोण त्रिभुजों के बारे में अपना प्रसिद्ध प्रमेय विकसित किया था।
- इतिहास में दर्ज पहली महिला गणितज्ञ अलेक्जेंड्रिया की हाइपेटिया थी।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा ,नुआंव, कैमूर

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

भारत पर्यटन

एशिया का सबसे बड़ा गांव गहमर

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में बसा गहमर को एशिया का सबसे बड़ा गांव कहा जाता है, जहां की जनसंख्या तकरीबन 1 लाख 20 हजार से ज्यादा है। वहीं, इस गांव में 25 हजार के करीब मतदाता है। इस गांव के लगभग 12 हजार फौजी भारतीय सेना में कार्यरत हैं तथा 15000 से ज्यादा रिटायर्ड फ़ौजी हैं।

गाजीपुर जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर गंगा के बिल्कुल किनारे बसा गहमर 8 वर्गमील में फैला हुआ है। इस गांव से होकर ही मुगलसराय से पटना जाने वाली ट्रेनें गुजरती हैं । यह गांव कुल 22 पट्टियों या टोले में बंटा हुआ है, जिसके हर पट्टी का नाम किसी पूर्व सैनिक के नाम पर है । उपलब्ध दस्तावेजों के मुताबिक, इस गांव को सन् 1530 में कुसुम देव राव ने सकरा डीह नाम के जगह पर बसाया था। गहमर में ही प्रसिद्ध कामख्या देवी मंदिर भी है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत बिहार के लोगों के लिए आस्था का बड़ा केन्द्र है।

ऐसा कहा जाता है कि देश और एशिया के इस सबसे बड़े गांव में हर घर से फौजी थे। ऐसे में यहां के लड़कों के लिए अलग से गांव में ही आर्मी भर्ती शिविर लगाया जाता था. लड़के सीधे गांव से ही आर्मी में नौकरी पा जाते थे। लेकिन 1986 के बाद से गांव के लिए स्पेशल आर्मी बहाली की प्रक्रिया को बंद कर दिया गया। प्रसिद्ध कामख्या देवी मंदिर के दर्शन और इस गांव की भव्यता हेतू यहां एकबार जाया जा सकता है।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यपक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

ToB SCIENCE TLM

विरंजक चूर्ण

Bleaching Powder

Class 10

Chemistry

रासायनिक सूत्र - $CaOCl_2$

रासायनिक नाम - **कैल्शियम ऑक्सी क्लोराइड**

विरंजक चूर्ण का निर्माण :-

शुष्क बुझे हुए चुने को 40°C पर गर्म कर उसके ऊपर क्लोरीन गैस प्रवाहित करने पर विरंजक चूर्ण प्राप्त होता है।

$$Ca(OH)_2 + Cl_2 \longrightarrow Ca(OCl)Cl + H_2O$$

उपयोग :-

1. कीटाणुनाशक के रूप में
2. कागज एवं कपड़ो के विरंजन में
3. क्लोरीन, क्लोरोफॉर्म आदि बनाने में।

Class 9 Physics

वेग (Velocity)

किसी गतिमान वस्तु के विस्थापन की दर को या एक निश्चित दिशा में प्रति सेकंड वस्तु द्वारा तय की दूरी को वेग (velocity) कहते हैं।

$$\text{वेग} = \frac{\text{विस्थापन}}{\text{समय}}$$

- ★ वेग का SI मात्रक मीटर/सेकंड है ।
- ★ वेग सदिश राशि है ।

किसी वस्तु का वेग इकाई समय में वस्तु का विस्थापन है।

ToB बालमंच भारत

मिडिल स्कूल सुखदा
(छत्तीसगढ़)

Shraddha
Jha,Arariya

भारत भारती ,फारबिसगंज, अररिया

सौजन्य से सोनभद्र एक्सप्रेस बालमंच

ToB बालमन
शिक्षण अधिगम सामग्री

TLM का नाम → **पृथ्वी की गतियां**

⭐ TLM जिस कक्षा के लिए उपयुक्त हैं → वर्ग 6

⭐ TLM से सम्बंधित विषय → सामाजिक विज्ञान

⭐ सीखने के बिन्दु:- इस TLM के माध्यम से हम निम्न बिंदुओं की अवधारणा स्पष्ट कर सकते हैं -
(i) पृथ्वी की दैनिक (घूर्णन) गति(ii) पृथ्वी की वार्षिक (परिभ्रमण) गति(iii) सूर्य ग्रहण(iv) चन्द्र ग्रहण

⭐ TLM बनाने हेतु सामग्री →

अलग अलग आकार के डब्बे का ढक्कन, दो पतली पट्टी, एक बड़े आकार का कुट, कुछ किल एवं पीन इत्यादि।

⭐ TLM बनाने की विधि →

सबसे पहले कुट के एक किनारे पर एक किल लगाएंगे। बड़ी पट्टी के एक छोर को किल से फंसा देंगे तथा उसके ऊपर बड़े ढक्कन को बीचोबीच से लगा देंगे। पट्टी के दुसरे सिरे पर एक पिन लगाकर उसमें छोटे वाले पट्टी का पहला सिरा फंसा देंगे। फिर मध्यम आकार के ढक्कन को बीचोबीच से लगा देंगे। अब छोटे पट्टी के दुसरे सिरे पर छोटे ढक्कन को पिन के सहारे लगा देंगे। बड़े ढक्कन को सूर्य, मझले को पृथ्वी तथा छोटे को चांद का प्रतिरूप मानते हुए उचित रंग से रंग कर संकेत के लिए नाम लिख देंगे। अब आपका TLM तैयार हो गया।

⭐ TLM उपयोग करने की विधि →

हम पृथ्वी के प्रतिरूप वाले ढक्कन को एक हाथ से पड़कर उसे अपने अक्ष पर घुमाते हुए सूर्य की परिक्रमा कराएंगे। इस क्रिया को करते हुए बच्चों में पृथ्वी की दैनिक गति एवं वार्षिक गति की अवधारणा स्पष्ट करेंगे। फिर दूसरे हाथ से चांद के प्रतिरूप को पड़कर पृथ्वी की परिक्रमा कराएंगे। इस प्रक्रिया को करने के क्रम में एक स्थिति ऐसी आएगी जब सूर्य और पृथ्वी के बीच में चंद्रमा होगा और दूसरी स्थिति में सूर्य और चांद के बीच पृथ्वी होगी। इस प्रकार से हम स्पष्ट कर पाएंगे कि सूर्य और पृथ्वी के बीच में चांद होता है तो सूर्य ग्रहण तथा सूर्य और चांद के बीच में पृथ्वी होती है तो चंद्र ग्रहण की स्थिति होती है।

⭐ TLM निर्माणकर्ता →

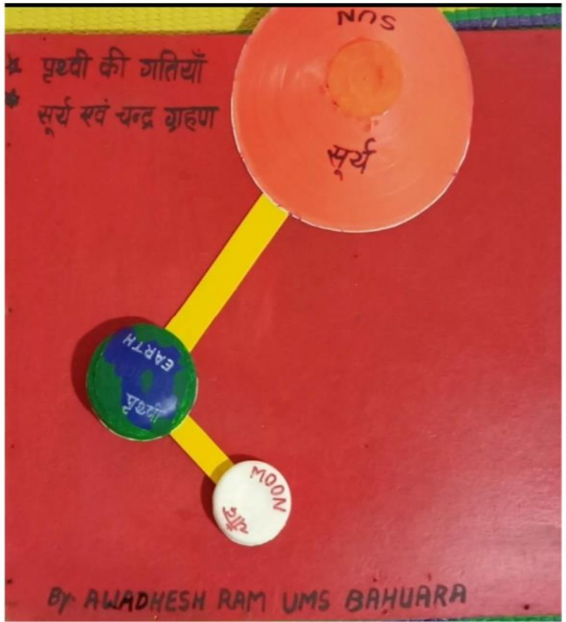

अवधेश राम
(शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा, भभुआ (कैमूर) बिहार

छठ पूजा स्पेशल

UHS सलथुआ, कुदरा, कैमूर

मनेर विद्यालय, पटना

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

प्राथमिक विद्यालय बिंद टोला, बेतरी, कैमूर

UHS कोटा, नुआंव, कैमूर

UHS महुवारी, भभुआ, कैमूर

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार

रा. उ. मध्य विद्यालय सेनुअरिया(प. चंपारण)

प्राथमिक विद्यालय खनेठी, रामगढ़, कैमूर

ToB बालमन

नैतिक शिक्षा

खुश रहने के 5 मंत्र

1. खुद से प्यार करें
2. अच्छा कार्य करें
3. सकारात्मक सोच रखें
4. क्षमा करना सीखे
5. किसी का बुरा न करें

धीरज कुमार
प्रधान संपदक ToB बालमन
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर (बिहार)

नवम्बर 2024

TOB बालमन

व्यक्ति विशेष

नवम्बर 2024

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
ToB बालमन

चन्द्रशेखर वेंकट रमन

सर चन्द्रशेखर वेंकटरामन एक प्रमुख भारतीय भौतिक-शास्त्री थे। चन्द्रशेखर वेंकटरामन का जन्म 07 नवम्बर सन् 1888 ई. में तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली नामक स्थान में हुआ था।प्रकाश के प्रकीर्णन पर उत्कृष्ट कार्य के लिये वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी का प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार दिया गया। उनका आविष्कार उनके ही नाम पर रामन प्रभाव के नाम से जाना जाता हैं ।28 फरवरी 1928 को चन्द्रशेखर वेंकट रामन् ने रामन प्रभाव की खोज की थी जिसकी याद में भारत में इस दिन को प्रत्येक वर्ष 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाया जाता है ।वर्ष 1954 ई. में उन्हें भारत सरकार द्वारा भारत रत्न की उपाधि से विभूषित किया गया तथा 1957 में लेनिन शान्ति पुरस्कार प्रदान किया था।21 नवंबर 1970 को 82 वर्ष की आयु में प्राकृतिक कारणों से उनकी मृत्यु हो गई।

फोटो ऑफ द मंथ भाग 1

मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करती शिक्षि

मध्य विद्यालय बखरी, खरकट्टा , कटिहार

UMS कैलाशपुर, बेगूसराय

वर्ग -5 के बच्चों द्वारा पर्यावरण और हम विषय के अंतर्गत परियोजना कार्य वंश वृक्ष बनाया गया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा, मोहनिया, कैमूर।

NPS तरहनी, कुदरा कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 2

मधुबनी

UMS Chhotka Katra Mohania Kaimur
कक्षा 7 के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विद्युत परिपथ एवं उपकरण

बाल दिवस के अवसर पर ToB पर आयोजित मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने भाग लिया और सहभागिता प्रमाणपत्र प्राप्त किया।
विद्यालय के प्रधानाध्यापक महोदय ने प्रमाणपत्रों के साथ कॉपी देकर बच्चों को प्रोत्साहित किया।
मध्य विद्यालय लत्तीपुर,बिहपुर, भागलपुर

UMS सिलौटा कैमूर में शिक्षक द्वारा लगभग शून्य निवेश मे विद्यालय पहचान पत्र निर्माण

Pt. Jawahar lal Nehru
उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर फुलवारी शरीफ पटना
PRATIK
class-X
Roll-54

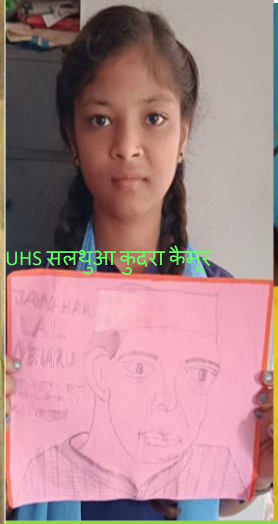
UHS सलथुआ कुदरा कैमूर

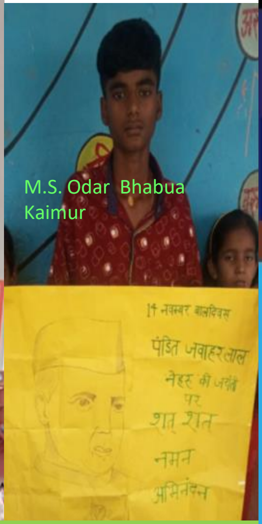
M.S. Odar Bhabua
Kaimur
14 नवम्बर बालदिवस
पंडित जवाहरलाल
नेहरु की जयंती
पर
शत शत
नमन
अभिनंदन

बच्चों के चाचा नेहरू

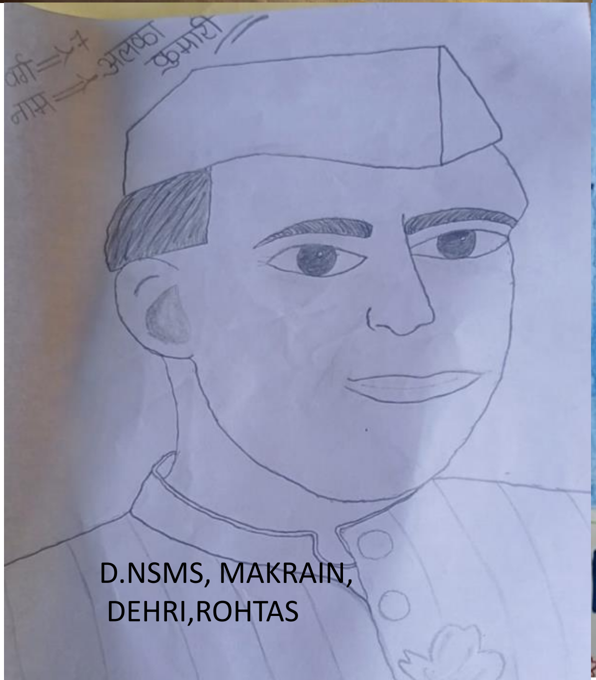
वर्ग=>7
नाम=>सुलक्षा कुमारी
D.NSMS, MAKRAIN,
DEHRI,ROHTAS

Pandit Jawaharlal Nehru
उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपु
फुलवारी शरीफ पटना
HAPPY CHILDREN 'S
DAY

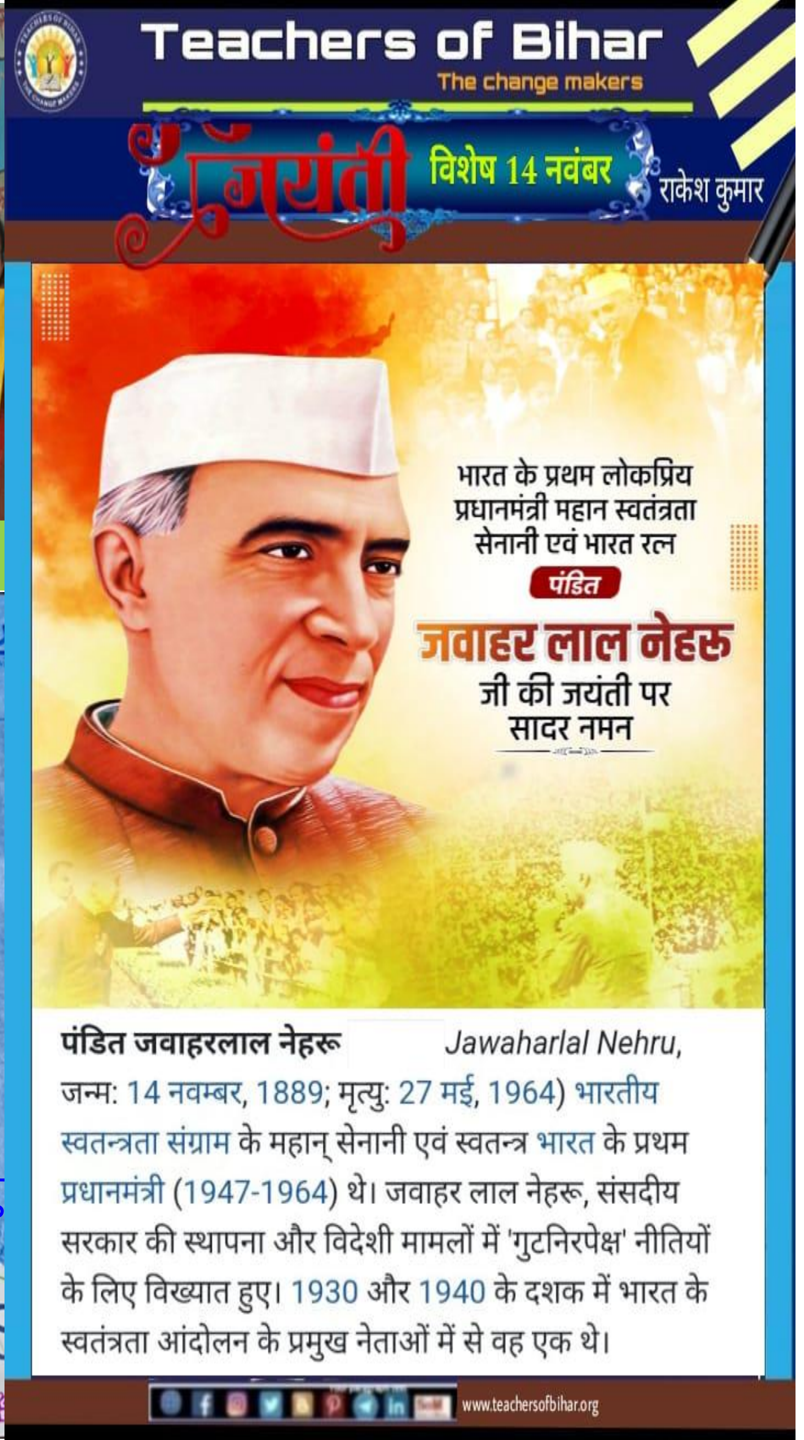
Teachers of Bihar
The change makers
जयंती
विशेष 14 नवंबर
राकेश कुमार
भारत के प्रथम लोकप्रिय
प्रधानमंत्री महान स्वतंत्रता
सेनानी एवं भारत रत्न
पंडित
जवाहर लाल नेहरू
जी की जयंती पर
सादर नमन
पंडित जवाहरलाल नेहरू Jawaharlal Nehru,
जन्म: 14 नवम्बर, 1889; मृत्यु: 27 मई, 1964) भारतीय
स्वतन्त्रता संग्राम के महान् सेनानी एवं स्वतन्त्र भारत के प्रथम
प्रधानमंत्री (1947-1964) थे। जवाहर लाल नेहरू, संसदीय
सरकार की स्थापना और विदेशी मामलों में 'गुटनिरपेक्ष' नीतियों
के लिए विख्यात हुए। 1930 और 1940 के दशक में भारत के
स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से वह एक थे।
www.teachersofbihar.org

शिक्षा शब्दकोश

[redacted]

कौशल विकास

नए कौशल हासिल करने और समय के साथ उन्हें बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण की निरंतर प्रक्रिया को कौशल विकास के रूप में जाना जाता है। यह किसी व्यक्ति की समग्र उत्पादकता में सुधार करने और व्यक्ति की वास्तविक क्षमता को सामने लाने में मदद करता है।

TEACHERS OF BIHAR
BALMAN TIMES

बिहार संस्करण | माह नवम्बर | वर्ष 2024

बालमन पत्रिका के माध्यम से बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

•सिटी रिपोर्टर

टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित बालमन पत्रिका जो कि ई पत्रिका के रूप में लगातार 35 महीनों से प्रकाशित हो रही हैं।पत्रिका के निर्माण के लिए पूरे बिहार से सहयोगी और नवाचारी शिक्षको का एक ग्रुप निर्माण किया गया है ,जहां से बच्चों की कलाकारी और प्रतिभा एक जगह एकत्रित होती है।इसी ग्रुप से बच्चों की कलाकारी को पटना से प्रकाशित एजुकेशनल न्यूज अखबार में अपने बालमंच पेज पर प्रमुखता से स्थान दिया गया है।बताते चले कि इस अखबार की बालमंच प्रभारी सह शिक्षिका निधि चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।प्रत्येक सप्ताह शनिवार के दिन बच्चो की पेंटिंग,कहानी, कविता आदि को अखबार से प्रमुखता से प्रकाशित किया जाता है,इस प्रकार बच्चो को भी प्रोत्साहन मिलता है। टीचर्स ऑफ बिहार बालमन के प्रधान संपादक धीरज कुमार द्वारा सभी बच्चों को बधाई दिया गया।

टीओबी से प्रेरणा ले बदल रही ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों की तस्वीर

* टीचर्स ऑफ बिहार, द चेंज माक्र्स हैं सबसे बड़ी लर्निंग कम्युनिटी

•स्टेट रिपोर्टर

बिहार सहित पूरे भारत की शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ी लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के मार्गदर्शक शिक्षकों से प्रेरणा ले कर ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में भी बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा हैं।वर्ष 2019 के 20 जनवरी को टीचर्स ऑफ बिहार की शुरुआत संस्थापक श्री शिव कुमार सर के द्वारा की गई।आज ToB द्वारा विभिन्न प्रकार के नवाचारी कार्य को बिहार के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा स्वप्रेरणा से बिहार के शिक्षा हित में कार्य किया जा रहा है। दैनिक ज्ञानकोष, चेतना,अभिमत,बालमंच,बालमन आदि पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है,जिससे शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बदलाव हो रहे है।

टीओबी से प्रेरणा ले बदल रही ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों की तस्वीर

\- टीचर्स ऑफ बिहार, द चेंज मेकर्स समूह है सबसे बड़ी लर्निंग कम्युनिटी

आजमनगर(कटिहार), टीचर्स ऑफ बिहार, द चेंज मेकर्स से प्रेरित हो अब ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालय भी बदल रहे है।ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे है।प्रखंड क्षेत्र के अलावा जिले के कई विद्यालय है जो इस टीचिंग लर्निंग कम्युनिटी से प्रेरणा लेकर विद्यालय की तस्वीर बदल रहे है।इसके अलावा नए

सच्चाई की राह........ बिहार दर्शन न्यूज़
सासाराम, शनिवार 16 नवम्बर, 2024
www.livebihardarshan.com

बाल दिवस के अवसर पर मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता में शामिल विजेता बच्चों को किया गया सम्मानित

भभुआ (कैमूर) ,बिहार दर्शन । बाल दिवस के अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका कैमूर के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में जिला शिक्षा भवन भभुआ के सभागार में जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के द्वारा मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता में शामिल विजेता बच्चों को मोमेंट और लेखन सामग्री देकर सम्मानित सह प्रोत्साहित किया गया । टीचर्स ऑफ बिहार बालमन चिल्ड्रेन डे स्पेशल कॉम्पिटिशन में कैमूर जिले के सरकारी विद्यालयों के बच्चे अलग अलग श्रेणी में इस प्रतियोगिता में शामिल हुए । प्रथम श्रेणी में वर्ग 1 से 5 तक के बच्चों के लिए पशु–पक्षी का मुखौटा निर्माण करना था । वर्ग 6से 8 तक के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के मुखौटे का निर्माण करना था । यह प्रतियोगिता दिनांक 2 नवंबर से 12 नवंबर के बीच आयोजित की गई थी । कार्यक्रम की शुरुआत जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बच्चों के हाथों फीता कटवा कर और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की गई । जिला शिक्षा पदाधिकारी सुमन शर्मा और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कृष्ण मुरारी गुप्ता को हरिदास शर्मा और धीरज कुमार द्वारा सम्मानित किया गया ।

इस अवसर पर इस कार्यक्रम के आयोजक और बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ के शिक्षक ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता हरिदास शर्मा, राजकीय शिक्षक सम्मान विजेता राजीव कुमार ,एआरपी मृत्युंजय कुमार को भी साफा और पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया । कार्यक्रम का संचालन मोहनिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोखरी के शिक्षक आफताब आलम द्वारा किया गया । मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता में विजेता वर्ग 1 से 5 तक की श्रेणी में प्रथम स्थान आरोही कुमारी वर्ग 5 उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोखरी प्रखंड मोहनिया ,द्वितीय स्थान सत्यम कुमार वर्ग 3 मध्य विद्यालय सलथुआ प्रखंड कुदरा ,तृतीय स्थान फलक नाज वर्ग 3 उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंदिया प्रखंड चांद को प्राप्त हुआ । वर्ग 6 से 8 की श्रेणी में प्रथम स्थान आर्या कुमारी वर्ग 6 उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोखरी प्रखंड मोहनिया ,द्वितीय स्थान पर दो बच्चे काजल कुमारी वर्ग 6 मध्य विद्यालय सलथुआ प्रखंड कुदरा और नाजिया खातुन वर्ग 6 उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा प्रखंड भभुआ तथा तृतीय स्थान प्रिया कुमारी वर्ग 6 उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा मोहनिया को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता सम्मान समारोह में बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे।

विजेता बच्चों को किया गया सम्मानित

सम्मानित होने वाले बच्चे ● जागरण

जागरण, संवाददाता, भभुआ: जिला शिक्षा भवन के सभागार में बाल दिवस के अवसर पर टीचर्स आफ बिहार बालमन पत्रिका के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी सुमन कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कृष्ण मुरारी गुप्ता ने मुखौटा निर्माण प्रतियोगिता में शामिल विजेता बच्चों को मोमेंटों और लेखन सामग्री दे कर सम्मानित किया। टीचर्स आफ बिहार बालमन चिल्ड्रेन डे स्पेशल प्रतियोगिता में जिले के सरकारी विद्यालयों के बच्चे अलग -अलग श्रेणी में इस प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रथम श्रेणी में वर्ग एक से पांच तक बच्चों के लिए पशु-पक्षी का मुखौटा निर्माण करना था। वर्ग छह से आठ तक के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के मुखौटे का निर्माण करना था। यह प्रतियोगिता दिनांक 2 नवंबर से 12 नवंबर के बीच आयोजित की गई थी। जिला शिक्षा पदाधिकारी सुमन शर्मा और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कृष्ण मुरारी गुप्ता को हरिदास शर्मा और धीरज कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक और बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ के शिक्षक ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता हरिदास शर्मा, राजकीय शिक्षक सम्मान विजेता राजीव कुमार, एआरपी मृत्युंजय को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मोहनियां प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोखरी के शिक्षक आफताब ने किया।

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org